IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, September 2025
Impact Factor: 7.67

Hkkjrh; laLd`fr % egkdfo HkoHkwfr

¼ikf.MR; ,oa thou n'ku ds lnHkZ esa½

Mk- jke dqekj vk;Z

lgk;d izk/;kid] 'kkldh; ckiw egkfo|ky;] ukxkSn] ftyk Nrjiqj ¼e-iz-½

'kks/k& lkjka'k %&

भवभूति सुधी दार्शनिक, व्यावहारिक तथा बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न कवि थे, उन्होंने न केवल शास्त्र सम्मत सिद्धांतो का विनियोग कर स्ववैदुष्य का परिचय दिया है अपितु दाम्पत्य प्रेम, मैत्री आदि का उच्चादर्श स्थापित किया है। उक्त बिन्दुओं को प्रस्तुत आलेख में उललेख किया गया है।

eq[; 'kCn %& भारतीय, संस्कृति, महाकवि, भवभूति, आत्मसमर्पण, वेद, उपनिषद, सांख्य एवं योगदर्शन आदि।